राजकीय महाविद्यालय खैरथल

राष्ट्रीय सेवा योजना

SUMMER CAMP

(15 MAY 2024 से 17 MAY 2024)

NOT ME BUT YOU

डॉ. नीतू जेवारिया
कार्यवाहक प्राचार्य

डॉ. दीपक कुमार
कार्यक्रम अधिकारी (NSS)

तीन दिवसीय समर कैम्प के पहले दिन व्यक्तित्त्व विकास और लेखन-पठन कौशल के विकास पर आयोजित हुई कार्यशाला, सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न करने की शपथ लेकर बनाए पोस्टर।

खैरथल, 15 मई। राजकीय महाविद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प का बुधवार को शुभारंभ हुआ। समर कैम्प के विद्यार्थी प्रतिनिधि नोवेश कुमार ने जानकारी दी कि गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और जीवन के अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं से विद्यार्थियों को परिचित कराने के लिए महाविद्यालय में समर कैम्प का आरंभ किया गया है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक चंदवानी ने बताया कि समर कैम्प के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में व्यक्तित्व विकास व जर्मन भाषा विशेषज्ञ संजय दीक्षित ने विद्यार्थियों को बाहरी व्यक्तित्व में सुधार लाने के साथ-साथ ज्ञानार्जन, खेल और योग के माध्यम से आत्मिक ऊर्जा का संचार करने का सन्देश दिया। वहीं भूतपूर्व सैनिक तथा लाइब्रेरियन महेश शर्मा ने युवाओं को लेखन और पठन कौशल के माध्यम से अपने परिवेश के प्रति सतत जागरूक बने रहने के लिए प्रेरित किया। द्वितीय सत्र में युवाओं ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न करने की शपथ लेते हुए स्लोगन लिखे और पोस्टर बनाए। अंतिम सत्र में युवाओं को एकाग्रता बढ़ाने वाले खेल खिलाए गए तथा छात्रा युक्ता व्यास ने नृत्य का प्रशिक्षण दिया। समर कैम्प में पायल, काजल, पंकज, नीरज, कुशाल, कनिष्क, कोमल, मलकीत आदि लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

GOVT. COLLEGE KHAIRTHAL
WELCOME TO
SUMMER CAMP 2024
Sanjay Dixit
Mahesh Sharma
15 may 2024
10:00 am-02:00 pm

राजकीय महाविद्यालय, खैरथल

राजकीय महाविद्यालय, खैरथल

कॉलेज में समर कैम्प आरंभ

खैरथल @ पत्रिका. शहर के राजकीय महाविद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प का बुधवार को शुभारंभ हुआ। विद्यार्थी प्रतिनिधि नोवेश कुमार ने बताया कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और जीवन के अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं से परिचित कराने के लिए समर कैम्प आरंभ किया गया है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ.दीपक चंदवानी ने बताया कि कैम्प के प्रथम सत्र में व्यक्तित्व विकास व जर्मन भाषा विशेषज्ञ संजय दीक्षित ने विद्यार्थियों को बाहरी व्यक्तित्व में सुधार लाने के साथ-साथ ज्ञानार्जन, खेल और योग के माध्यम से आत्मिक ऊर्जा क संचार करने का सन्देश दिया वहीं भूतपूर्व सैनिक तथ लाइब्रेरियन महेश शर्मा ने युवाअं को लेखन और पठन कौशल वे माध्यम से अपने परिवेश के प्रति सतत जागरूक बने रहने के लिए प्रेरित किया। द्वितीय सत्र मं युवाओं ने सिंगल यूज़ प्लास्टिव का प्रयोग न करने की शपथ लेत हुए स्लोगन लिखे और पोस्ट बनाए। अंतिम सत्र में युवाओं क एकाग्रता बढ़ाने वाले खेल खिलाए गए तथा छात्रा युक्त व्यास ने नृत्य का प्रशिक्षण दिया समर कैम्प में पायल, काजल पंकज, नीरज, कुशाल, कनिष्क कोमल, मलकीत सहित करीब 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

खैरथल महाविद्यालय में हुआ तीनदिवसीय समर कैम्प का आरंभ

भिवाड़ी टाइम्स

खैरथल / हीरालाल भूरानी /राजकीय महाविद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प का बुधवार को शुभारंभ हुआ। समर कैम्प के विद्यार्थी प्रतिनिधि नोवेश कुमार ने जानकारी दी कि गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और जीवन के अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं से विद्यार्थियों को परिचित कराने के लिए महाविद्यालय में समर कैम्प का आरंभ किया गया है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक चंदवानी ने बताया कि समर कैम्प के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में व्यक्तित्व विकास व जर्मन भाषा विशेषज्ञ संजय दीक्षित ने विद्यार्थियों को बाहरी व्यक्तित्व में सुधार लाने के साथ-साथ ज्ञानार्जन, खेल और योग के माध्यम से आत्मिक ऊर्जा का संचार करने का सन्देश दिया। वहीं भूतपूर्व सैनिक तथा लाइब्रेरियन महेश शर्मा ने युवाओं को लेखन और पठन कौशल के माध्यम से अपने परिवेश के प्रति सतत जागरूक बने रहने के लिए प्रेरित किया। द्वितीय सत्र में युवाओं ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न करने की शपथ लेते हुए स्लोगन लिखे और पोस्टर बनाए। अंतिम सत्र में युवाओं को एकाग्रता बढ़ाने वाले खेल खिलाए गए तथा छात्रा युक्ता व्यास ने नृत्य का प्रशिक्षण दिया। समर कैम्प में पायल, काजल, पंकज, नीरज, कुशाल, कनिष्क, कोमल, मलकीत आदि लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

समर कैम्प के दूसरे दिन हुई इंग्लिश स्पीकिंग क्लास, विद्यार्थियों ने अनुपयोगी प्लास्टिक बोतलों से बनाए परिंडे और बर्ड फीडर

खैरथल, 16 मई। राजकीय महाविद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प के दूसरे दिन अंग्रेजी भाषा विशेषज्ञ के रूप में अंतरा ने विद्यार्थियों को इंग्लिश स्पीकिंग टिप्स प्रदान किए। समर कैम्प के विद्यार्थी प्रतिनिधि नीरज कुमार ने जानकारी दी कि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक चंदवानी के निर्देशन में समर कैम्प में उन्हें नई-नई बातें सीखने को मिल रही हैं। उसी क्रम में मिरांडा हाउस से अध्ययन कर चुकीं तथा ओडिसी नृत्य कला में पारंगत अंतरा ने युवाओं को रचनात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने अंग्रेजी के शब्द निर्माण की प्रक्रिया की समझाते हुए अंग्रेजी भाषा को सरलता से सीखने के सूत्र प्रदान किए। उन्होंने कई थियेटर एक्टिविटीज के माध्यम से विद्यार्थियों को इंग्लिश बोलने का अभ्यास करवाया। द्वितीय सत्र में युवाओं ने अनुपयोगी प्लास्टिक की बोतलों को रंगों से सजाकर पक्षियों के लिए परिंडे और बर्ड फीडर बनाए। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रकृति के संरक्षण का भाव पैदा करते हुए हुए नन्हे पक्षियों और प्राणियों के प्रति उनके मन मे उत्तरदायित्व बोध जाग्रत करने का प्रयास किया गया। छात्रा तुषिता जोशी ने सन्दर्भ व्यक्तित्व के रूप में अंतरा का आभार व्यक्त किया और खेल खेल में अंग्रेजी सीखने की शैली को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। समर कैम्प में डालचंद, शंकित, जाह्नवी, रिंकी, रजनदीप, मेघा आदि विद्यार्थियों ने भाग लिया।

GOVT. COLLEGE KHAIRTHAL
WELCOME TO
SUMMER CAMP 2024
Antara Nirwana
16 may 2024
10:00 am-02:00 pm

राजकीय महाविद्यालय, खैरथल
खैरथल-तिजारा (राज.)

पत्रिका

जलवायु परिवर्तन, मिट्टी को अध्ययन किया है।

परिंडे पक्षियों के नाम अभियान

विद्यार्थियों ने अनुपयोगी प्लास्टिक से बनाए परिंडे और बर्ड फीडर

पत्रिका पक्षी मित्र अभियान

खैरथल. शहर के राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्म कालीन तीन दिवसीय समर कैम्प के दूसरे दिन अंग्रेजी भाषा विशेषज्ञ के रूप में अंतरा ने विद्यार्थियों को इंग्लिश स्पीकिंग टिप्स प्रदान किए। समर कैम्प के विद्यार्थी प्रतिनिधि नीरज कुमार ने जानकारी दी कि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक चंदवानी के निर्देशन में समर कैम्प में उन्हें नई-नई बातें सीखने को मिल रही हैं। उसी क्रम में मिरांडा हाउस से अध्ययन कर चुकीं तथा ओडिसी नृत्य कला में पारंगत अंतरा ने युवाओं को रचनात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने अंग्रेजी के शब्द निर्माण की प्रक्रिया की समझाते हुए अंग्रेजी भाषा को सरलता से सीखने के सूत्र प्रदान किए। उन्होंने कई थियेटर एक्टिविटीज के माध्यम से विद्यार्थियों को इंग्लिश बोलने का अभ्यास करवाया। द्वितीय सत्र में युवाओं ने अनुपयोगी प्लास्टिक की बोतलों को रंगों से सजाकर पक्षियों के लिए परिंडे और बर्ड फीडर बनाए। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रकृति के संरक्षण का भाव पैदा करते हुए हुए नन्हे पक्षियों और प्राणियों के प्रति उनके मन में उत्तरदायित्व बोध जाग्रत करने का प्रयास किया गया। छात्रा तुषिता जोशी ने सन्दर्भ व्यक्तित्व के रूप में अंतरा का आभार व्यक्त किया और खेल खेल में अंग्रेजी सीखने की शैली को विद्यार्थियों के लिए अत्यं उपयोगी बताया। समर कैम्प : डालचंद, शंकित, जाह्नवी, रिंक रजनदीप, मेघा आदि विद्यार्थियों भाग लिया।

सार्वजनिक स्थानों पर बांधे परिंडे

कोटकासिम @ पत्रिका. नगरपालिका प्रशासन ने कोटकासिम पालिका क्षेत्र में परिंडे गुरुवार को पक्षियो के नाम अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानो पर मूक प्राणियो के लिए परिंडे बांधे। इस दौरान रेवाडी रोड स्थित सरकारी नर्सरी, रामलीला मैदान, दादी मां आश्रम सहित विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाकर आमजन को जागरूक करते हुए भीषण गर्मी के दौरान मूक प्राणियों के लिए नियमित दाना पानी की व्यवस्था करने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर नगरपालिका कर्मचारी महेन्द्र मीणा, मनीष शर्मा, सुषमा रानी, सुनि चौधरी, वनपाल हनुमान सिंह अ अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

17/05/2024 | Bhiwadi | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

दैनिक जयपुर टाइम्स

epaper.jaipurtimes.org
17 May 2024 - Page 2

समर कैम्प के दूसरे दिन हुई इंग्लिश स्पीकिंग क्लास

विद्यार्थियों ने अनुपयोगी प्लास्टिक बोतलों से बनाए परिंडे और बर्ड फीडर

जयपुर टाइम्स

खैरथल(निसं.)। राजकीय महा विद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प के दूसरे दिन अंग्रेजी भाषा विशेषज्ञ के रूप में अंतरा ने विद्यार्थियों को इंग्लिश स्पीकिंग टिप्स प्रदान किए। समर कैम्प के विद्यार्थी प्रतिनिधि नीरज कुमार ने जानकारी दी कि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक चंदवानी के निर्देशन में समर कैम्प में उन्हें नई-नई बातें सीखने को मिल रही हैं। उसी क्रम में मिरांडा हाउस से अध्ययन कर चुकीं तथा ओडिसी नृत्य कला में पारंगत अंतरा ने युवाओं को रचनात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने अंग्रेजी के शब्द निर्माण की प्रक्रिया की समझाते हुए अंग्रेजी भाषा को सरलता से सीखने के सूत्र प्रदान किए। उन्होंने कई थियेटर एक्टिविटीज के माध्यम से विद्यार्थियों को इंग्लिश बोलने का अभ्यास करवाया। द्वितीय सत्र में युवाओं ने अनुपयोगी प्लास्टिक की बोतलों को रंगों से सजाकर पक्षियों के लिए परिंडे और बर्ड फीडर बनाए। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रकृति के संरक्षण का भाव पैदा करते हुए हुए नन्हे पक्षियों और प्राणियों के प्रति उनके मन मे उत्तरदायित्व बोध जाग्रत करने का प्रयास किया गया। छात्रा तुषिता जोशी ने सन्दर्भ व्यक्तित्व के रूप मे अंतरा का आभार व्यक्त किया और खेल खेल में अंग्रेजी सीखने की शैली को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। समर कैम्प में डालचंद, शकित, जाह्नवी, रिंकी, रजनदीप, मेघा आदि विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दैनिक भास्कर
खैरथल/भिवाड़ी भास्कर 17-05-2024

समर कैंप में विद्यार्थियों ने प्लास्टिक बोतलों से बनाए परिंडे और बर्ड फीडर

खैरथल. समर कैंप के दौरान वेस्ट प्लास्टिक बोतलों के परिंडे बनाते हुए।

खैरथल| राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक चंदवानी के निर्देशन में 3 दिवसीय समर कैंप के दूसरे दिन अंग्रेजी भाषा विशेषज्ञ के रूप में अंतरा ने विद्यार्थियों को इंग्लिश स्पीकिंग टिप्स दिए। विद्यार्थी प्रतिनिधि नीरज कुमार ने बताया कि द्वितीय सत्र में युवाओं ने अनुपयोगी प्लास्टिक की बोतलों को रंगों से सजाकर पक्षियों के लिए परिंडे और बर्ड फीडर बनाए। छात्रा तुषिता जोशी ने सन्दर्भ व्यक्तित्व के रूप में अंतरा का आभार व्यक्त किया और खेल-खेल में अंग्रेजी सीखने की शैली को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस दौरान डालचंद, शंकित, जाह्वी, रिंकी, रजनदीप, मेघा आदि मौजूद रहे।

समर कैम्प के समापन पर युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प
निर्वाण बोधिसत्व और कबीर संजय ने पर्यावरण को बचाने के लिए किया युवाओं का आह्वान

खैरथल, 17 मई। राजकीय महाविद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प के तीसरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और कथाकार सविता पाठक, पर्यावरणविद् कबीर संजय , प्रकृति के संरक्षण दिशा में विशिष्ट प्रयास कर रहे निर्वाण बोधिसत्व तथा हिंदी के समर्पित शिक्षक और साहित्यकार प्रेम प्रकाश शर्मा ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किए। समर कैम्प के विद्यार्थी प्रतिनिधि रजनदीप कौर ने जानकारी दी कि प्रथम खेल सत्र में डॉ. दीपक चंदवानी ने युवाओं को आत्मविश्वास जाग्रत करने और एकाग्रता पैदा करने वाले खेल खिलाए। तत्पश्चात विचार सत्र में प्रो. सविता पाठक ने विद्यार्थियों को भारत की विविधरूपा संस्कृति को बचाए रखने लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भी बीज का प्रतीक होते हैं जो सीखे हुए ज्ञान का पूरी दुनिया में प्रसार करने का श्रेष्ठ माध्यम होते हैं। अपनी पर्यावरण केंद्रित पुस्तकों 'चीता', 'ओरांग उटान', 'गोडावण' तथा 'जंगलकथा' सीरीज के लेख लिखकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा कर रहे दिल्ली से आए पर्यावरणविद् संजय कबीर ने युवाओं का ध्यान प्रकृति से जुड़ी चिंताओं की ओर आकर्षित किया। उन्होंने गिद्ध, डोडो, चीता और अनेक अन्य प्रजातियों के विलुप्त होते चले जाने से प्रकृति और मानव के लिए पैदा होने वाली नवीन समस्याओं से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। उन्होंने ग्रीन हाउस इफेक्ट और ग्लोबल वार्मिंग के खतरों को बड़े ही सहज भाव से विद्यार्थियों के जीवन से जोड़कर समझाया। हिंदी शिक्षक व साहित्यकार प्रेम प्रकाश शर्मा ने मानव में करुणा की उपस्थिति को मानव होने की पहली शर्त बताया। उन्होंने छात्राओं से संघर्ष के रास्ते पर चलते हुए अपने अधिकारों के लिए लड़ने का आह्वान किया और 'तुम आने ब्याहने मुझको' कविता सुनाकर जीवन में प्रेम की उपस्थिति को अनिवार्य बताया। निर्वाणवन फाउंडेशन के निदेशक निर्वाण बोधिसत्व ने अपनी पर्यावरणीय संस्कृति को बचाने के लिए विद्यार्थियों को छोटे-छोटे सूत्र बताए। उन्होंने पर्यावरण को बचाने के लिए अपने फाउंडेशन द्वारा किए गए प्रयासों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। उन्होंने कई छोटी-छोटी बोध कहानियों के माध्यम से हमारी लोक संस्कृति और प्रकृति को बचाने के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया। इसी क्रम में महाविद्यालय की छात्रा रिंकी, तुषिता, रजनदीप, मेघा आदि ने अपने विचार व्यक्त किये और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समर कैम्प में पंकज, मंजू, निकिता, हर्षिता, अंतिम, आरती, तन्नू, शिवानी आदि विद्यार्थियों ने भाग लिया।

GOVT. COLLEGE KHAIRTHAL
WELCOME TO
SUMMER CAMP 2024
Nirwana Bodhisatv ji
Savita Pathak ji
Kabir Sanjay ji
17 may 2024
10:00 am-02:00 pm

पत्रिका

समर कैम्प : विचार सत्र में भारतीय संस्कृति की विविधता पर किया मंथन

युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

खैरथल @ पत्रिका. राजकीय महाविद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प के तीसरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और कथाकार सविता पाठक, पर्यावरणविद् कबीर संजय, प्रकृति के संरक्षण दिशा में विशिष्ट प्रयास कर रहे निर्वाण बोधिसत्व तथा हिंदी के समर्पित शिक्षक और साहित्यकार प्रेम प्रकाश शर्मा ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किए। समर कैम्प के विद्यार्थी प्रतिनिधि रजनदीप कौर ने जानकारी दी कि प्रथम खेल सत्र में डॉ. दीपक चंदवानी ने युवाओं को आत्मविश्वास जाग्रत करने और एकाग्रता पैदा करने वाले खेल खिलाए। तत्पश्चात विचार सत्र में प्रो. सविता पाठक ने विद्यार्थियों को भारत की विविधरूपा संस्कृति को बचाए रखने लिए प्रेरित किया। उन्होंने गिद्ध, डोडो, चीता और अनेक अन्य प्रजातियों के विलुप्त होते चले जाने से प्रकृति और मानव के लिए पैदा होने वाली नवीन समस्याओं से विद्यार्थियों को अवगत करवाया।

उन्होंने ग्रीन हाउस इफेक्ट और ग्लोबल वार्मिंग के खतरों को बड़े ही सहज भाव से विद्यार्थियों के जीवन से जोड़कर समझाया। हिंदी शिक्षक व साहित्यकार प्रेम प्रकाश शर्मा ने मानव में करुणा की उपस्थिति को मानव होने की पहली शर्त बताया। उन्होंने छात्राओं से संघर्ष के रास्ते पर चलते हुए अपने अधिकारों के लिए लड़ने का आह्वान किया और 'तुम आने ब्याहने मुझको' कविता सुनाकर जीवन में प्रेम की उपस्थिति को अनिवार्य बताया। निर्वाणवन फाउंडेशन के निदेशक निर्वाण बोधिसत्व ने अपनी पर्यावरणीय संस्कृति को बचाने के लिए विद्यार्थियों को छोटे-छोटे सूत्र बताए। उन्होंने पर्यावरण को बचाने के लिए फाउंडेशन के प्रयासों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया।

राजकीय महाविद्यालय खैरथल में समर कैंप का हुआ समापन

भिवाड़ी टाइम्स

खैरथल, (प्रमोद केवलानी) राजकीय महाविद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प के तीसरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और कथाकार सविता पाठक, पर्यावरणविद् कबीर संजय, प्रकृति के संरक्षण दिशा में विशिष्ट प्रयास कर रहे निर्वाण बोधिसत्व तथा हिंदी के समर्पित शिक्षक और साहित्यकार प्रेम प्रकाश शर्मा ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किए। समर कैम्प के विद्यार्थी प्रतिनिधि रजनदीप कौर ने जानकारी दी कि प्रथम खेल सत्र में डॉ. दीपक चंदवानी ने युवाओं को आत्मविश्वास जाग्रत करने और एकाग्रता पैदा करने वाले खेल खिलाए। तत्पश्चात विचार सत्र में प्रो. सविता पाठक ने विद्यार्थियों को भारत की विविधरूपा संस्कृति को बचाए रखने लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भी बीज का प्रतीक होते हैं जो सीखे हुए ज्ञान का पूरी दुनिया में प्रसार करने का श्रेष्ठ माध्यम होते हैं। अपनी पर्यावरण केंद्रित पुस्तकों 'चीता', 'ओरांग उटान', 'गोडावण' तथा 'जंगलकथा' सीरीज के लेख लिखकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा कर रहे दिल्ली से आए पर्यावरणविद् संजय कबीर ने युवाओं का ध्यान प्रकृति से जुड़ी चिंताओं की ओर आकर्षित किया। उन्होंने गिद्ध, डोडो, चीता और अनेक अन्य प्रजातियों के विलुप्त होते चले जाने से प्रकृति और मानव के लिए पैदा होने वाली नवीन समस्याओं से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। उन्होंने ग्रीन हाउस इफेक्ट और ग्लोबल वार्मिंग के खतरों को बड़े ही सहज भाव से विद्यार्थियों के जीवन से जोड़कर समझाया। हिंदी शिक्षक व साहित्यकार प्रेम प्रकाश शर्मा ने मानव में करुणा की उपस्थिति को मानव होने की पहली शर्त बताया। उन्होंने छात्राओं से संघर्ष के रास्ते पर चलते हुए अपने अधिकारों के लिए लड़ने का आह्वान किया और 'तुम आना ब्याहने मुझको' कविता सुनाकर जीवन में प्रेम की उपस्थिति को अनिवार्य बताया। निर्वाणवन फाउंडेशन के निदेशक निर्वाण बोधिसत्व ने अपनी पर्यावरणीय संस्कृति को बचाने के लिए विद्यार्थियों को छोटे-छोटे सूत्र बताए। उन्होंने पर्यावरण को बचाने के लिए अपने फाउंडेशन द्वारा किए गए प्रयासों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। उन्होंने कई प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से हमारी लोक संस्कृति और प्रकृति को बचाने के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया। समर कैंप के समापन के अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा रिंकी, तुषिता, रजनदीप, मेघा आदि ने अपने विचार व्यक्त किये और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कैम्प में पंकज, मंजू, निकिता, हर्षिता, अंतिम, आरती, तन्नू, शिवानी आदि विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दैनिक भास्कर | खैरथल/भिवाड़ी भास्कर 18-05-2024

समर कैंप के समापन पर युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

खैरथल. कॉलेज में समर कैंप के दौरान जानकारी देते हुए।

भास्कर न्यूज़ | खैरथल

राजकीय कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन तीन दिवसीय समर कैम्प के तीसरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और कथाकार सविता पाठक, पर्यावरणविद् कबीर संजय, प्रकृति के संरक्षण दिशा में विशिष्ट प्रयास कर रहे निर्वाण बोधिसत्व तथा हिंदी के समर्पित शिक्षक और साहित्यकार प्रेम प्रकाश शर्मा ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थी प्रतिनिधि रजनदीप कौर ने जानकारी दी कि प्रथम खेल सत्र में डॉ. दीपक चंदवानी ने युवाओं को आत्मविश्वास जाग्रत करने और एकाग्रता पैदा करने वाले खेल खिलाए। इसके बाद विचार सत्र में प्रो. सविता पाठक ने विद्यार्थियों को भारत की विविधरूपा संस्कृति को बचाए रखने लिए प्रेरित किया। हिंदी शिक्षक व साहित्यकार प्रेम प्रकाश शर्मा ने मानव में करुणा की उपस्थिति को मानव होने की पहली शर्त बताया। निर्वाणवन फाउंडेशन के निदेशक निर्वाण बोधिसत्व ने पर्यावरणीय संस्कृति को बचाने के लिए विद्यार्थियों को छोटे-छोटे सूत्र बताए। इस दौरान छात्रा रिंकी, तुषिता, रजनदीप, मेघा, पंकज, मंजू, निकिता, हर्षिता, अंतिम, आरती, तन्नू, शिवानी आदि मौजूद रहे।